शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय- अर्थशास्त्र
दिनांक - 08-09-2020, वर्ग - BA-III

ब्रिटेन की कृषि क्रांति

ब्रिटेन मे औद्योगिक क्रांति के ~~पहले~~ पूर्व कृषि क्रांति हुई थी। ब्रिटेन के इस कृषि आधारित व्यवस्था ने उसे दुनिया का पहला देश बनाया था जहाँ अकाल से मौत नही हुआ करती थी। और ना होने दी जाती थी। ब्रिटेन के औद्योगिक क्रांति को कृषि क्रांति का ही परिणाम माना जा सकता है। शायद 16 वी सदी मे कृषि के आधार पर विकास और औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार से ब्रिटेन ने अगली शताब्दियों मे दुनिया के अधिकांश हिस्से मे राज किया। अनुसंधानो मे यह बात सामने आयी है कि वैश्विक स्तर पर विकास की शुरुआत कृषि के जरिए ही हुई थी। ब्रिटेन के

17 वी और 18वी सदी के इतिहास पर हाल में हुए शोध से यह बात सामने आयी हैं कि वहां पर आर्थिक विकास के बाद सामाजिक सुरक्षा वाली संस्थाओं का विकास नही हुआ था। परन्तु ये व्यवस्था वहां औद्योगिक क्रांति के कई शताब्दी पहले से ही मौजूद थी।

<u>ब्रिटेन में कृषि क्रांति के शिल्पकार</u>

1) राबर्ट वेस्टर्न ⇒ तीन खेत प्रणाली के हाथो से उपरने में उबरने मे राबर्ट वेस्टर्न ने अहम भूमिका निभाई। इसने (1645 ई.) अपने पुस्तक "Discovery of Husbandry" में यह बताया कि 1/3 भूमि को परती छोड़े बिना भी जमीन की खोई हुई शक्ति प्राप्त की जा सकती हैं। इस हेतु उसने शलजम आदि जड़ो वाली फसलो को बोने पर विशेष जोर दिया। राबर्ट ने

फ्लोडर्स में रहकर कृषि का ज्ञान प्राप्त किया था। इसके द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों से अब पूरा का पूरा खेत हर वर्ष काम में लाया जाने लगा।

(2) जेथरी टुल →

यह बर्कशायर का एक किसान था जिसने कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु कई सिद्धान्त प्रतिपादित किए। 1701 ई० में उसने बीज बोने के लिए ड्रिल यंत्र का आविष्कार कर प्रयोग किया। इस यंत्र से खेत में बीज के बीच की दूरी रखी गयी। इससे पौधे को फैलने में तथा गुड़ाई करने में मदद मिली, इसके द्वारा अच्छे बीज के प्रयोग, खाद की आवश्यकता एवं समुचित सिंचाई व्यवस्था पर विशेष बल दिया गया। टुल ने अपने कृषि में Arab खेती

अनुभवों को 1733 ई० में "Horse Hoeing Industry" नामक पुस्तक द्वारा लोगों तक पहुँचाया। इसके अनुभव से लाभ उठाकर कृषि के क्षेत्र में काफी लोग लाभांवित हुए।

③ लॉर्ड टाउनशेण्ड —

इसके अनुसार कृषि क्रांति में सबसे प्रमुख तीन फसल पध्दति के स्थान पर चार फसल पध्दति अपनाना था। इसने क्रमशः गेहूँ, शलजम, जौ एवं अंत में लौंग बोने की परम्परा प्रारंभ की। इससे कम समय तथा कम स्थान में अत्यधिक उत्पादन प्राप्त हुआ।

इस दिशा में नारफोक के जमींदार कोक और हालखाम ने ~~हड्डी~~ हड्डी की खाद का प्रयोग कर उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि की। जॉर्ज तृतीय द्वारा कृषि कार्यों में अत्यधिक रुचि लेने के